नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २८३ वि.सं. २०८२ वैशाख २१ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४८) [Sunday 04 May 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

सुदूरपश्चिमके विकासमे सहयोग कैना भारतहे आग्रह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० वैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह प्रदेशके विकासमे सहयोग कैना भारतहे आग्रह करले बटै । एकहप्ते भारत भ्रमणके क्रममे बिफेक रोज दिल्लीमे भारतीय विदेश राज्यमन्त्री कीर्तिवर्धन सिंहसँगके भेटवार्तामे उहाँ यी प्रदेशके विकासके लाग सहयोग कैना आग्रह करल हुइट । भारतसे नेपालके विकासके लाग सहयोग कैटी आइल कहटी उहाँ प्रशंसासमेत करल रहिट ।

ओस्टके भारतके तिकुनियासे कैलालीके खक्रौलासमके सडक हाली सम्पन्न कैना सम्बन्धमे मुख्यमन्त्री शाह ओ विदेश राज्यमन्त्री सिंहबिच छलफल हुइल मुख्यमन्त्रीके सचिवालय जानकारी डेले बावै । भेटघाटके क्रममे मुख्यमन्त्री शाह दार्चुलामे निर्माणाधीन पुलके काम हाली सम्पन्न कैना आग्रह करल रहिट । ओस्टके बैतडी, डडेलधुरामे पुल निर्माणके प्रक्रिया हाली सुरु करे पर्ना विषयमे फेन उहाँ भारतसमक्ष बात राखल रहिट । भेटमे मुख्यमन्त्री शाह मुख्यमन्त्रीस्तरीय भारत भ्रमणसे दुई देशबिचके सम्बन्धहे थप उचाइमे पुगैना बटाइल रहिट ।

मुख्यमन्त्री शाहके टोलीसे नयाँ दिल्लीस्थित प्रधानमन्त्री संग्रहालय, नेसनल स्किल डेभलपमेन्ट कर्पोरेसन कम्पनी, जलविद्युत् विकास संगठन (एनएचपिसी) लिमिटेड ओ कृषि अनुसन्धान केन्द्रके अवलोकन करले बावै । नेसनल स्किल डेभलपमेन्ट कर्पोरेसन कम्पनीसँगके छलफलमे मुख्यमन्त्री शाह सूचना प्रविधिके युगमे डिजिटलमैत्री प्रविधिके विकास कैके जनताहे आत्मनिर्भर बनैना आवश्यक रहल औंल्याइल रहिट । ओस्टके कृषि अनुसन्धान केन्द्रसँगके छलफलमे नेपालमे आधुनिक कृषि विकासके लाग सहयोग कैना भारत सरकारहे आग्रह करल रहिट ।

नेपालमे काम करटी रहल एनएचपिसीसँगके छलफलमे मुख्यमन्त्री शाह पश्चिम सेती आयोजनाके डिपिआरके काम अन्तिम चरणमे पुग्लेसे फेन आर्थिक अभावके कारण आघे बहे नैसेकल बटैलै । उहाँ उहीहे अन्तिम रूप डेहक लाग प्राविधिक लगायतके सहयोग कैना भारत सरकारहे आग्रह करले बटै । एनएचपिसीसँगके छलफलके क्रममे पञ्चेश्वर जलविद्युत् आयोजना, फुकोट कर्णाली, वेतन कर्णाली ओ मुगुके कर्णाली जलविद्युत् आयोजनाके सम्भावना अध्ययन प्रतिवेदनके विषयमे छलफल करल रहे ।

ओस्टके भ्रमणके क्रममे मुख्यमन्त्री शाह भारतके उत्तराखण्ड प्रदेशके तीनजाने विभागिय मन्त्रीनसँग भेटघाट करले बटै ।

मुख्यमन्त्री शाह वन मन्त्री सुवोद उनियाल, पर्यटन मन्त्री सतपाल महाराज ओ कृषि मन्त्री गणेश जोशीसँग छुट्टा छुट्टे भेटघाट करल हुइट । भेटमे वन तथा पर्यटन प्रबर्द्धन ओ आधुनिक कृषि खेतीके विषयमे बाचचित हुइल बावै । पर्यटन प्रबर्द्धनसे रोजगारीके सिर्जना ओ विदेशी मुद्रा आर्जनसँगे राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमे समेत टेवा पुग्ना विश्वास लेहल रहे ।

विकास लक्ष्य हासिल कैना ओ नेपाली जनताके दिगो सामाजिक एवं आर्थिक उन्नतिके लाग पर्यटन प्रबर्द्धनसे महत्वपूर्ण योगदान डेहे सेक्ना बातमे छलफल हुइल रहे । पर्यटन मन्त्री सतपालसँग मुख्यमन्त्री शाह धार्मिक मानसखण्ड सर्किट, आध्यात्मिक टुरिजम, ओएलनेस टुरिजमके विषयमे छलफल करल रहिट ।।

नेपालमे भौगोलिक अवस्था ओ मौसम अनुसारके कृषि खेती कैना ओ आधुनिक तरिकासे उत्पादन करल बस्तुहे बजारीकरणमे जोड डेहे पर्ना कृषि मन्त्री जोशी ओ मुख्यमन्त्रीबीच बातचित हुइल रहे । उहे अनुसारके बीउ, विजन ओ प्राविधिक सहयोग आदान प्रदान कैना विषयमे छलफल हुइल रहे । भेटमे नेचुरल फार्मिङ, ओर्गानिक फार्मिङ उत्पादनके बिषयमे बातचित हुइल रहे ।

संरक्षण विहिन बालबालिकनहे शैक्षिक सामग्री वितरण

पहुरा समाचारदाता

हसुलिया, २० वैशाख । कैलाली जिल्ला कैलारी गाउँपालिकाके ७५ जाने बालबालिकाहुकनहे शैक्षिक सामग्री ओ स्कुल झोला वितरण कैगिल बा ।

कैलारी गाउँपालिका महिला तथा बालबालिका शाखाके आयोजनामे कैलारी गाउँपालिका अन्तर्गत संरक्षण विहिन बालबालिकाहुकनहे शैक्षिक सामग्री ओ स्कुल झोला वितरण कैगिल हो ।

आर्थिक बर्ष २०८१/०८२ के वार्षिक स्विकृत कार्यक्रम अनुसार संरक्षण विहिन बालबालिकाहे सहयोग तथा सहायता कार्यक्रम अर्न्तगत संरक्षण विहिन, अपाङता रहल बालबालिका, अपाङता रहल अभिभावकके बालबालिकाहुकन, अति विपन्न, जेहेन्दार करके ७५ जनहनहे शैक्षिक सामग्री ओ स्कुल झोला वितरण कैगिल हो ।

सामाजिक विकास समितिके संयोजक तथा वडा नम्बर ३ के वडा अध्यक्ष सन्तराम चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरीके प्रमुख आतिथ्यतामे शैक्षिक सामग्री तथा स्कूल झोला वितरण कैगिल हो । कार्यक्रममे उहाँ संरक्षण विहिन, अपाङता रहल बालबालिका, अपाङता रहल अभिभावकके बालबालिकाहुकन, अति विपन्न, जेहेन्दार बालबालिकाहे शैक्षिक सामग्री वितरण हुइलपाछे उहाँहुकन शैक्षिक यात्रामे सहजता प्रदान हुइना बटैली । उहाँ कहली, 'जेकर अभिभावक अपाङगता बटै ।

जौन बालबालिका संरक्षण विहिन बटै, ओइनहे किताव कापी, पेन्सिल, विद्यालय जैना झोला नैहो विद्यालय छोरना बाध्य बटै । शैक्षिक सामग्री अभावके कारण संरक्षण विहिन, अपाङता रहल बालबालिका, अपाङता रहल अभिभावकके बालबालिकाहुकन, अति विपन्न, जेहेन्दार बालबालिका विद्यालय छोरे नपरे, शैक्षिक यात्रा नरुके कहटी गाउँपालिकासे प्रत्येक वर्ष सहयोग करटी उहाँ बटैली । *(बाँकी २ पेजमे)*

सुस्तश्रवण अपाङ्ताके समस्याबारे तालिम

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० वैशाख । सुदूरपश्चिममे पहिल चो सुस्तश्रवण अपाङ्गताके समस्याबारे दुई दिने तालिम हुइल बा ।

कैलालीके धनगढीमे राष्ट्रिय अपाङ महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेश समितिके समन्वयमे श्रुति संस्थासे तालिमके आयोजना करल हो ।

राष्ट्रिय अपाङ महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेश सचिव नरदीप धामीके अनुसार तालिमसे डेढ दर्जन सुस्तश्रवण अपाङ्ता हुइल व्यक्ति लाभाविन्त हुइल बटै । अपाङता अधिकार ऐन, २०७४ मे अपाङ्ताके परिभाषामे समावेश करल परिभाषाअनुसार सुनेक लाग श्रवण यन्त्रके प्रयोग करेपर्ना वा ६५ से ८० डेसिबलसमके ध्वनि सुने सेक्ना व्यक्तिहे सुस्तश्रवण अपाङ्ता कहल बा । यैसिन समस्या रहल व्यक्ति कान कम सुन्न मने कम सुनके सफासे बोले सेक्ना, सुनेक लाग श्रवण यन्त्र प्रयोग कैना करठै । यैसिन व्यक्तिसे कान कम सुन्न हुइल कारण पारिवारिक तथा सामाजिक रूपमे टमान समस्याके सामना करे परल श्रुति संस्थाके अध्यक्ष निता केशरी भट्टराई जानकारी डेली ।

सुस्तश्रवण रहल व्यक्तिसे मजासे कान नैसुन्न हुइल कारण ओइनसंग घर परिवारके व्यक्ति तथा समाजके व्यक्ति बोले नैखोज्न, ओइनके बाट नैबुझके सिधा रिसैना, झकन्न करल पाजाइठ । ओस्टेक करके ओइनहे मजासे सुने नैसेकल कारण विद्यालय तथा क्याम्पस स्तरके शिक्षा लेनाफे समस्या भोगे परल बा ।

सुस्तश्रवण हुइल कारण विद्यालयस्तरके शिक्षा लेनामे कठिनाइ हुइलपाछे अपने चाहकेफे शिक्षा लेना अवसरसे वञ्चित हुई परल तालिममे सहभागी कैलारीके निलम चौधरीके गुनासो रहे । यैसिन अवस्थामे अपने शैक्षिक योग्यता प्राप्त करे नैसेकल ओ चाहल अनुसारके रोजगारीमे सहभागिता हुईनाफे कठिनाइ हुइटी रहल उहाँक कहाई रहे ।

सुस्तश्रवण रहल व्यक्तिके लाग श्रवण यन्त्रके आवश्यक हुइठ । साथे सांकेतिक भाषाके फे ओटरा जरुरी रहठ मने ओइनके आर्थिक अवस्था कमजोर हुइल कारण अपनहे मिल्न श्रवण यन्त्र किने नैसेकठै ओ समाजमे सदा ऐक्केली हुके जीवन बिटैना बाध्य हुइठै । ओइने प्रयोग कैना श्रवण यन्त्रफे बहुट महँगा हुइना ओरसे किनेफे नैसेक्ना कारण अत्रे बैठे पर्ना, रोजगारीसे *(बाँकी २ पेजमे)*

"प्रकृति, संस्कृति र पर्यटन नेपालको पहिचान, समृद्धमुलुक निर्माण, होमस्टेको अभियान"

सुदूरपश्चिम प्रदेशस्तरीय होमस्टे मेला महोत्सव-२०८१/०८२

बैशाख १८ देखि २० गतेसम्म

धनगढी उप-महानगरपालिका वडा नं. १६, भादा, कैलाली

महोत्सवका आकर्षणहरु:

१. प्रत्येक दिन सुदूरपश्चिमका विभिन्न जातजाती तथा समुदायहरुको नाचगान प्रस्तुती (हिमाल, पहाड, तराई) ।
२) दैनिक सुदूरपश्चिमका विभिन्न समुदायहरुको खानपान छानी-छानी खान पाईने ।
३) शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमा जंगल सफारी ।
४) विभिन्न खेलकुदहरु जस्तै : स्लो साईकल रेश, घैटाफोर, भलादमी दौड, पेनाल्टी सुट आउट ।
५) प्रत्यके दिन स्थानीय तथा राष्ट्रिय कलाकारहरुको बेजोड प्रस्तुती ।
६) थारु हस्तकलाको प्रत्यक्ष अवलोकन ।
७) काठे पिङ शयर

प्रवर्द्धक:
सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार, प्रदेश पर्यटन विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन इकाई, धनगढी, कैलाली

समन्वय तथा सहकार्य
होमस्टे (घरबास) महासंघ नेपाल, सुदूरपश्चिम प्रदेश कार्य समिति, धनगढी, कैलाली

आयोजक
थारु होमस्टे भादा पर्यटन विकास तथा व्यवस्थापन समिति, धनगढी उप-महानगरपालिका-१६, भादा, कैलाली

सर्पले टोकेको अवस्थामा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरू:

- सर्पले टोकेमा व्यक्ति आत्तिन सक्छन्, सान्त्वना दिऔं ।
- आफ्नो नजिक सर्पदंश उपचार केन्द्र कहाँ छ ? जानकारी राखौं,
- सर्पले टोकेका व्यक्तिलाई तुरुन्त स्वास्थ्य संस्था, अस्पताल वा सर्पदंश उपचार केन्द्र पुऱ्याऔं,
- सवारी साधनमा घाइतेलाई बसाएर सर्पले टोकेको ठाउँलाई मिलेसम्म मुटुको सतहभन्दा तल पारी लैजाऔं,
- गलत परम्परागत उपचार विधि (झारफुक)तिर नलागौं,
- आफ्नो घर वरिपरि झाडी नराखौं र सधैं वातावरण सफा राखौं ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार

आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालय

धनगढी, कैलाली

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

प्रेस स्वतन्त्रताके व्यावहारिक पक्ष

विचार

केशव निरौला

> प्रेस स्वतन्त्रतासँगे गाँसके अइना प्रेस उत्तरदायित्वके सबालमे फेन नेपाली पत्रकार ढेर जागरूक हुइपरना रलेसल बा काहेकि स्वतन्त्र प्रेस हुइना कहिके पत्रकारहे जौनफेन बाट लेख्न छुट डेना नैहो । पत्रकारके लेखाइ एकडम तथ्यमे आधारित होके सत्य ओ निष्पक्ष हुइ परठ । अपन आचार संहिताहे अनुसरण कैके तथ्यके पुष्टि, स्रोतके सुरक्षा, सबमे समान दृष्टिकोण, शिष्ट ओ मर्यादित भाषाके प्रयोग आदिमे लेखनी बह्गल सेक्जाइ कलेसे निश्चय फेन 'नागरिक प्रेस स्वतन्त्रता' के प्रत्याभूति रहठ । अस्टेक राजनीतिक प्रभावसे मुक्ति, विद्यमान सञ्चारसम्बद्ध कानुनके पुनरवलोकन, समानुपातिक विज्ञापन नीतिके पूर्ण कार्यान्वयन ओ मिडिया साक्षरतामे अभिवृद्धि कैके फेन प्रेस स्वतन्त्रताके व्यावहारिक पक्षमे सुदृढीकरण करे सेक्जाइठ ।

प्रेसके सामान्य अर्थ 'छापा वा छपाइसँग सम्बन्धित' कना रहठ । आधुनिक सन्दर्भमे यकर अर्थ विस्तारित होके 'समग्र पत्रकारिता' के पर्याय बनसेकल बा । यसर्थ, अखबार किल नैहोके रेडियो, टेलिभिजन ओ अनलाइन मिडियासमेत यिहे प्रेस अन्तर्गत समेटजाइठ । कौनो फेन मेरिक हस्तक्षेप, अवरोध, नियन्त्रण ओ प्रतिबन्धबिना मिडियाके स्वतन्त्र कार्यसम्पादन प्रेस स्वतन्त्रता हो । अइसिन अवस्थामे स्वतन्त्रतापूर्वक सञ्चार माध्यमसे समाचार किल नैहोके विचार एवं दृष्टिकोण फेन प्रकाशन वा प्रसारण करना अधिकार रहठ । खास कैके प्रजातान्त्रिक देशके सरकार अपन नागरिकहे हक अधिकारके प्रत्याभुति करैना सन्दर्भमे 'पूर्ण प्रेस स्वतन्त्रता' के वैधानिकता डेले रहठ । यकर सुनिश्चितता संविधान, कानुन ओ टमान मेरिक अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि सम्झौतासे वैधानिक रूपमे हुइना करठ ।

मे ३ तारिख अर्थात् विश्व प्रेस स्वतन्त्रता दिवस । खास कैके प्रेस स्वतन्त्रताके मूल्यांकन करना, मिडियाहे अपन स्वतन्त्रताउप्परके आक्रमणसे बचैना ओ पेसामे क्रियाशील रहलमे ज्यान गुमाइल पत्रकारहे श्रद्धाञ्जली एवं शोकमे परलहे समवेदना डेहेक लाग यी दिवस मनैना करजाइठ । सन् १९९३ से संयुक्त राष्ट्रसंघके महासभासे मनाइ लागल यी दिवस स्वतन्त्र, निष्पक्ष ओ उत्तरदायी पत्रकारिताके महत्व उजागर करटि आइल बा । अस्टेक पत्रकारउप्पर हुइना हिंसा, दमन, सेन्सरसिप ओ दबावविरुद्ध आवाज बुलन्द करना विश्वभरके पत्रकारके संगठित घडी विश्व प्रेस स्वतन्त्रता दिवस हो । आमसर्वसाधारणमे प्रेस स्वतन्त्रताके महत्वबारे जनचेतना फैलैना ओ प्रेस स्वतन्त्रताहे अंकुश लगैना कानुनी वा राजनीतिक सीमाके विरोध करना विषयमे फेन प्रेस स्वतन्त्रता दिवस महत्वपूर्ण बा । सैद्धान्तिक रूपमे हेरके विश्वभर प्रेस स्वतन्त्रताके रक्षा ओ संवर्धनमे यी दिवससे जत्रा स्थान वा महत्व लेहल बा, का सच्चे व्यावहारिक धरातल फेन ओहे अवस्था बनल बा टे कहिके समीक्षा करेपरना रहठ ।

विश्व प्रेस स्वतन्त्रता सूचकांक (आरएसएफ) अनुसार सन् २०२४ मे नेपाल ७९ औं स्थानमे बा । यिहिनसे नेपालके प्रेस स्वतन्त्रताके विश्वव्यापी अवस्था उच्चस्तरमे नैरहल पुष्टि करठ । नेपालके संविधानके धारा १७ (२) (क) ओ धारा १९ से प्रेस तथा अभिव्यक्ति स्वतन्त्रता ओ सञ्चारके मौलिक हक कहिके प्रत्याभूत करल किल नैहो, संविधानके प्रस्तावनामे समेत पूर्ण प्रेस स्वतन्त्रताके प्रत्याभूत हुइना उल्लेख करल बा । अस्टेक, प्रेस काउन्सिल ऐन, सूचना तथा सञ्चार नीति, पत्रकार आचारसंहितालगायतके नियमसे फेन प्रेसके अधिकार परिभाषित करल बा । नेपाल पक्षराष्ट्र होके हस्ताक्षर करल अन्तर्राष्ट्रिय मानव अधिकार सन्धिसे फेन प्रेस स्वतन्त्रताके समर्थन करठ ।

नेपालके सन्दर्भमे प्रेस स्वतन्त्रताके सारवान कानुनी एवं नीतिगत आधार ओ प्रयोगपरक व्यावहारिकताबिच भारी बेमेल पाजाइठ । राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिकलगायतके टमान कारणसे अब्बे फेन नेपाली पत्रकारितामे पूर्ण प्रेस स्वतन्त्रता कुण्ठित हुइल बा । प्रेस स्वतन्त्रताके व्यावहारिक पक्षमे ढेर उल्झन ओ समस्या डेखाइल बा ।

राजनीतिक कारण

पाछेक दशकमे समेत नेपालके राजनीतिक परिवेश स्थिर नैहुइल ओरसे प्रेस स्वतन्त्रता एकडम उतारचढावमे रहटि आइल बा । यम्ने सत्तापक्ष ओ प्रतिपक्षके कोपभाजनमे एकडम जैसिन पत्रकारिता परना करल बा । हुइना टे पत्रकार अप्ने फेन राजनीतिक आस्थाके आधारमे फरक फरक झुन्ड, गुट वा समूहमे विभक्त हुइल अवस्था बा । देशके भारी कहल दलसे लेके छोट दलसमके आस्थाके आधारमे आज पत्रकारिताबिच अलग अलग समूह बनल बा । कुछ राजनीतिक दलविशेष टे पत्रकारहे फेन अपन 'भ्रातृ संगठन' बनाके अमुक राजनीतिक अभीष्ट पूरा करना अस्त्र बनाइल पाजाइठ । पत्रकारके हकहित करना साझा छाता संस्थाके रूपमे परिचित नेपाल पत्रकार महासंघके निर्वाचनताके टे और ढेर राजनीतिक दलके प्रत्यक्ष दबाबमे आस्थावान् पत्रकार परना करठ । सिद्धान्ततः राज्यके चौथो अंगके रूपमे रहल पत्रकारिता पूर्णतः स्वतन्त्र ओ निष्पक्ष रहठ कलेसे फेन व्यवहारतः पत्रकारभित्तरके राजनीतिक आस्थाके आधारमे निर्मित समूह विशेषसे उ 'स्वतन्त्रता' हे एकडम गिज्याइल पाजाइठ । यिहे पृष्ठभूमिमे फेन राजनीतिक दलसम्बद्ध कार्यक्रमके प्रचारप्रसार करेबेर कैयौं पत्रकार विपक्षीसे निशानामे परना करल बा ।

अब्बे पत्रकारिता ओ राजनीतिबिच व्यवहारतः पूरकपरक सम्बन्ध बनल बा । पत्रकारिता बचैना राजनीतिक संयन्त्र ओ राजनीतिक संयन्त्र बचैना पत्रकारिता क्रियाशील होके फेन प्रेस स्वतन्त्रता कुण्ठित बनल हो । आज पत्रकारिता राजनीतिसे दिशानिर्देश करनासे फेन राजनीतिसे पत्रकारिताहे गाइड करल कारण आब दलगत आस्थासे उप्पर उठेक स्वतन्त्र पत्रकारितके व्यावहारिक अभ्यास बह्राइपरना अवस्था सिर्जना हुइल बा । अस्टेक सत्ता समीकरण ओ प्राप्तिसँगे ओकर विरुद्ध कौनो समाचार सम्प्रेषण कैके फेन धम्की, दबाब ओ सेन्सरसिप भोगे परल पर्याप्त दृष्टान्त बा । नेपाली पत्रकारिताके व्यावहारिक अभ्यासमे प्रेस स्वतन्त्रता कुण्ठित हुइना सबसे भारी खतरनाक कारक कहिके यिहे राजनीतिहे माने सेक्जाइ ।

आर्थिक दुरवस्था

व्यावसायिक नेपाली पत्रकारितामे सबसे भारी समस्याके रूपमे मौलाइल पक्ष कलेक आर्थिक दुरवस्था हो । देशके आर्थिक मन्दीजन्य अवस्थासे टे पाछेक समय मिडिया उद्योग पर्याप्त मात्रामे विज्ञापन पाइ सेकल नैहो । राजधानीकेन्द्रित मिडिया कुछ फर्स्टेलेसे फेन मोफसलके मिडिया दिनानुदिन कमजोर हुइटि बा । सत्तापक्ष ओ प्रतिपक्षके भूमिकाके आधारमे सरकारी विज्ञापन वितरण प्रणाली निर्भर हुइटिरहल कटु यथार्थ छर्लङ्ग पलि बा । समानुपातिक विज्ञापन नीतिके रटान व्यावहारिक कार्यान्वयनमे पटक्के पाइ सेकल नैहो । अपारदर्शी ओ पहुँचकेन्द्रित विज्ञापन वितरण प्रणालीके कारण कैयौं मिडिया विज्ञापनके सहज पहुँचसे विमुख होके आर्थिक समस्या भोगे परल बा ।

मिडिया हाउस आर्थिक रूपमे कमजोर हुइलपाछे वहाँ कार्यरत पत्रकार फेन मजा तलबभत्ता पाइ नैसेकल हुइटैं । परिणामतः आज विशुद्ध पत्रकारिता पेसा किल अँगालके जीवननिर्वाह करना पत्रकारके संख्या न्यून बा । पूर्णतः श्रमजीवी पत्रकारके संख्या उल्लेखनीय नैपाजाइ । अपने कमजोर आर्थिक अवस्थासे मुक्ति पैलेसे फेन विज्ञापनके निहुँ वा प्रभावमे परटि पत्रकार मूल्यहीन वा न्यून मूल्य होके समाचारहे प्राथमिकता डेहेपरना बाध्यता बनठ । विज्ञापनमुखी सामग्री सम्प्रेषण करेपरना अवस्था बनठ कलेसे 'व्यक्ति गुणग्राही' सामग्रीहे प्राथमिकता डेहेपरना रहठ । अइसिन प्रभावसे पत्रकार तथा सम्पादक स्वतन्त्र ढंगसे कलम चलैना गाह्रो मान्जाइठ । मिडिया सञ्चालक वा लगानीकर्ता फेन विज्ञापनदाताहे ढेर महत्व डेहे परल बा । यिकर इसारामे सम्पादकीय स्वतन्त्रता फेन कुण्ठित हुइल बा । यसर्थ, जबसम सञ्चार गृह ओ वहाँ कार्यरत पत्रकारमे आर्थिक संकट बह्ठ तबसम प्रेस स्वतन्त्रताके व्यावहारिक अभ्यासमे चुनौती रहठ ।

सामाजिक दबाब

पाछेक कैयौं घटनासे स्वतन्त्र पत्रकारिताउप्पर सामाजिक दबाब बहल बा । विशेष कैके देशके दुर्गम तथा ग्रामीण क्षेत्रमे काम करना पत्रकारहे सामाजिक दबाब, जातीय भेदभाव ओ सुरक्षाके अभावसे काम करना कठिन हुइल बा । कौनो अमुक समुदाय वा संगठनके गलत क्रियाकलापबारे समाचार सम्प्रेषण कैके पत्रकार अपन निशाना बन्ना करल टमान उदाहरण बा । अस्टेक सामाजिक दबाबसामु पत्रकारिताके अपन स्वतन्त्रता ओ कानुनी अधिकारहुकनके कौनो सुनुवाइ नैहुइ । पत्रकारिताबारे जनमानसमे फैलल भ्रम एवं अफवाहके कसीमे दज्न काम किल हुइना करठ । कुछ अवस्थामे पहिले पत्रकारहे अपन समाचार सम्प्रेषण करना लगाइल पाछे अप्ठ्यारो अवस्था आके 'मिडिया तोडमोड कैके मिथ्या समाचार सम्प्रेषण करल हो' कना तरिकासे मानमर्दन करना प्रवृत्ति बहल बा ।

हुइना टे मिडिया स्वयम् फेन स्वतन्त्रताके प्रयोगमे जिम्मेवारी नैबन्के सामाजिक रूपसे आलोचना खेप्न बाध्य बनल बा । तथ्यहीन समाचार, उट्पट्याङ प्रकृतिके शीर्षक, चरित्र हत्या करना मेरिक अफवाह ओ भ्रामक सामग्रीसे पत्रकारितामे नैतिकताके गम्भीर प्रश्न उठाइल बा । हलि 'भाइरल' हुइना निहुँमे ढेरसे ढेर तथ्यविहीन सामग्री सार्वजनिक हुइना करठ । अइसिन सामग्रीसे एकओर समाजमे मिथ्या सूचना सम्प्रेषण होके सामाजिक घृणा फैलैना सम्भावना बहल बा कलेसे औरेओर अव्यावसायिक ओ पेसाविरोधी अभ्याससे निश्चय फेन व्यवहारतः प्रेस स्वतन्त्रताके मूल्य घटाइल बा । यिहे बाटहे रोक लगाइ खोज्के फेन कुछ सन्दर्भमे प्रेस स्वतन्त्रतामे अंकुश लगाइल कहिके आलोचना होके पुनः मिथ्या प्रचार बहल पाजाइठ ।

प्रेस स्वतन्त्रतासँगे गाँसके अइना प्रेस उत्तरदायित्वके सबालमे फेन नेपाली पत्रकार ढेर जागरूक हुइपरना रलेसल बा काहेकि स्वतन्त्र प्रेस हुइना कहिके पत्रकारहे जौनफेन बाट लेख्न छुट डेना नैहो । पत्रकारके लेखाइ एकडम तथ्यमे आधारित होके सत्य ओ निष्पक्ष हुइ परठ । अपन आचारसंहिताहे अनुसरण कैके तथ्यके पुष्टि, स्रोतके सुरक्षा, सबमे समान दृष्टिकोण, शिष्ट ओ मर्यादित भाषाके प्रयोग आदिमे लेखनी बहल सेक्जाइ कलेसे निश्चय फेन 'नागरिक प्रेस स्वतन्त्रता' के प्रत्याभूति रहठ । अस्टेक राजनीतिक प्रभावसे मुक्ति, विद्यमान सञ्चारसम्बद्ध कानुनके पुनरवलोकन, समानुपातिक विज्ञापन नीतिके पूर्ण कार्यान्वयन ओ मिडिया साक्षरतामे अभिवृद्धि कैके फेन प्रेस स्वतन्त्रताके व्यावहारिक पक्षमे सुदृढीकरण करे सेक्जाइठ । (बाँकी ३ पेजमे)

भादा गाउँमे सामुदायिक होमस्टे कार्यशाला हुइना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० वैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेशमा होमस्टे (घरबास) दुई दिने कार्यशाला गोष्ठी आयोजना हुइना हुइल बाबै ।

संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय अन्तर्गतके तारा गाउँ विकास समितिके अध्यक्ष सुरेशराज जोशीके अनुसार वैशाख २१ ओ २२ गते कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नं. १६ स्थित भादा थारु सामुदायिक होमस्टे थारु गाउँमे सञ्चालन हुइना हुइल हो ।

उहाँके अनुसार वैशाख २१ गते संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री बद्रीप्रसाद पाण्डे उ कार्यक्रमके उद्घाटन कैना कार्यक्रम रहल बाबै । उहाँ उ कार्यशाला गोष्ठीमे सुदूरपश्चिम प्रदेशभित्रे सञ्चालनरत सामुदायिक तथा निजी होमस्टेसे ७० जाने प्रतिनिधिसहित होमस्टेकर्मी, पर्यटन विज्ञ, पर्यटन व्यवसायी ओ सरोकारवाला सहित झण्डै एक सय जनहनके सहभागीता रहना जानकारी डेलै ।

उहाँके अनुसार गोष्ठीमे पर्यटन प्रवर्द्धनसँगे सम्बन्धित 'आन्तरिक सुशासन' विषयमे पर्यटनविद् डा. अलकबाबु प्रसाई ओ 'दीगो होमस्टे पर्यटनके आधार' विषयमे रैथाने कृषि तथा होमस्टे अभियन्ता एवम् विज्ञ तिलकबहादुर ढकालसे कार्यपत्र प्रस्तुत कैना जनाइल बाबै ।

ओस्टके, कार्यक्रममे राज्यके पर्यटन नीति अनुरुप सञ्चालनमे रहल होमस्टेमध्येसे उत्कृष्ट होमस्टेके घोषणा करजैना उहाँके कहाइ रहल बाबै ।

उत्कृष्ट होमस्टेमध्ये प्रथम, द्वितीय ओ तृतीयहे क्रमशः एक लाख, ७५ हजार ओ ५० हजार नगद ओ प्रमाणपत्रसहित सम्मान करजैना बाबै ।

संरक्षण विहिन...

रख्टी नयाँ शैक्षिक शत्रके शुरुवाट संगे शैक्षिक सामग्री अभावके कारण विद्यालय जैनासे वञ्चित संरक्षण विहिन, अपाङता रहल अभिभावकके परिवारके बालिका, अपाङ्ता रहल बालबालिकाहुकनके यी कार्यक्रमसे शिक्षण सिकाईमे सकारात्मक प्रभाव पर्ना बटैले रहिट ।

कार्यक्रमके उद्देश्यबारे जानकारी डेटी कैलारी गाउँपालिका महिला तथा बालबालिका शाखाके प्रमुख बालकुमारी चौधरी बालबालिकाहुकनके शिक्षण सिकाईहे प्रभावकारी बनैना शाखासे प्रत्येक बरष यैसिन कार्यक्रम संचालन करल बटैली । कार्यक्रमके संचालन कैलारी गाउँपालिका सामाजिक विकास शाखा प्रमुख यगम कलेल करल रहिट ।

गाउँपालिकाके उपाध्यक्ष कहली अपनेक गाउँ टोलमे शैक्षिक सामग्री अभावके कारण बालबालिका विद्यालय छोरना बाध्य बटै कलेसे जानकारी करैबी, गाउँपालिका ओकर अभिभावकत्व ग्रहण करी । ओइनहे पढ्हैना जिम्मेवारी गाउँपालिकासे लि । अब्बे पढ्हना उमेरमे बालबालिका विद्यालय छोरके कुलटमे फस्टी गैल ओरसे अभिभावकहुकनके आपन बच्चनके भविष्यप्रति सचेत हुइनाफे उहाँ आग्रह करली ।

कार्यक्रममे वडा नम्बर ३ वडा अध्यक्ष सन्तराम चौधरी, दिपेन्द्र मावि हसुलियाके शिक्षक नारायण ढकाल मन्तव्य

सुस्तश्रवण अपाङ्ताके...

वञ्चित हुईपर्ना लगायतके समस्याके सामना करल पाजाइठ ।

सुस्तश्रवण अपांगता रहल व्यक्तिमेफे कतिपयहे श्रवण यन्त्र, सांकेतिक भाषा तथा क्याप्सनिङके आवश्यकता हुइठ । (क्याप्सनिङ कहल और जे कहल बाटहे कम्प्युटरमे लिखके अघे स्क्रिनमे डेखैना हो) मने हमार समाजमे सर्वसुलभ रूपमे यैसिन व्यवस्थाके विकास हुइए नैसेकल राष्ट्रिय अपाङ महासंघ केन्द्रीय सदस्यसमेत रहल सस्थाके अध्यक्ष निता केशरी भट्टराई बटैली । तालिममे अध्यक्ष भट्टराईके साथे कोपिला हुमागाई ओ पल्लबी थापा सहजीकरण करल रही ।

समूह गठन

तालिम पश्चात कैलाली–कञ्चनपुरके सहभागिसे समुह गठन करल बा । जेकर अध्यक्षमे परिवर्तन कोईराला, उपाध्यक्षमे निलम चौधरी, सचिवमे विरेन्द्र सिंह राना ओ कोषाध्यक्षमे दल बहादुर बोहरा चयन हुइल बटै । ओस्टेक करके सदस्यमे खिमा कुमारी बडैला, प्रियंका कुमारी चौधरी, मेघराज अवस्थी, उनराज बुढा ओ नरेश बहादुर कपड्याल रहल बटै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर
दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।
सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनः ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायत अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नेइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । –सम्पादक

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बङ्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

संसदीय अध्ययनके निष्कर्ष

भैरहवा विमानस्थल सञ्चालनमे चौतर्फी चुनौती

काठमाडौँ, वैशाख २० गते । परियोजना ओ जग्गाके मुआब्जामे कैके झन्डे ३२ अर्ब रुपियाँ खर्च कैके स्तरोन्नति हुइल भैरहवा विमानस्थल सञ्चालनमे समस्या रहल निष्कर्ष संसदीय छानबिनसे देखाइल बा ।

प्रतिनिधि सभा सार्वजनिक लेखा समिति अन्तर्गतके उपसमितिसे विमानस्थल सञ्चालनमे व्यावसायिक कार्ययोजनासँगे प्राविधिक समस्या रहल औँल्याइल हो । जग्गा मुआब्जालगायतमे भारी लगानी कैके विमानस्थल स्तरोन्नतिके क्रममे प्राविधिक पक्षहे भर गौण मानल पाइल हो ।

२०८१ जेठ २७ गते नेकपा (एमाले) के सांसद योगेश भट्टराईके संयोजकत्वमे उपसमिति गठन हुइल रहे । उपसमिति स्थलगत अध्ययनलगायतके सक्कु काम ओइलपाछे भट्टराई उपसमितिमे बैठे नैपैना माग राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीके सांसद मनिष झा उठैले रहैं । झा फेन ओहे उपसमितिमे सदस्य हुइटैं । अध्ययनके काम ओराइलपाछे प्रश्न उठलसँगे भट्टराई उपसमिति छोरना घोषणा करले रहैं मने उबेलासम प्रारम्भिक प्रतिवेदन तयार होसेकल रहे ।

भारी रकम खर्चा कैके बनाइल विमानस्थल आवश्यक प्राविधिक उपकरण तथा उपयुक्त व्यावसायिक योजना अभावमे सञ्चालन कठिनाइ रहल

निष्कर्ष उपसमितिके बा । विमानस्थल निर्माणके जग्गा अधिग्रहणके लाग २३ अर्ब रुपियाँ खर्च हुइल रहे । सात सयसे ढेर बिघा जग्गा अधिग्रहण हुइल रहे । पाछेक समय अधिग्रहणके निर्णय हुइल २८८ बिघामध्ये कुछ हक हस्तान्तरण बाँकी बा । विमानस्थल स्तरोन्नतिमे भर आठ अर्ब ८२ करोड रुपियाँ खर्च हुइल रहे ।

स्तरोन्नतिपाछे २०७९ वैशाख १५ गते नेपाल एयरलाइन्सके वाइडबडी जहाज डेमोस्ट्रेसन फ्लाइट करले रहे । ओकरपाछे कुछ विदेशी वायु सेवा कम्पनी फेन उठान करले रहे । कतार, जजिरा, एयर एसियालगायतसे उडान करलेसे फेन यात्रु नैपाइल कटि छोट समयमे उडान बन्द करले रहे । उपसमिति सरकारसे विदेशी विमान कम्पनीके लाग आवश्यक छुटलगायत प्रोत्साहनमे निर्णय करे नैसेकल प्रतिवेदनमे उल्लेख बा ।

उपसमितिसे डेखल समस्या

अध्ययन उपसमिति विमानस्थल सञ्चालनमे व्यावसायिक योजनासँगे प्राविधिक कमजोरी फेन विश्लेषण करले बा ।

प्रतिवेदनमे विमानस्थलहे अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्डमे आधारित बनाके सहज उडान तथा अवतरण करना मेरिक विश्वास निर्माण करना धावनमार्ग, कार्गो बिल्डिङलगायतके समस्याहे दीर्घकालीन रूपमे समाधान करना सुझाव डेले बा । अस्टेक एयर रुटके व्यवस्थापनके पहल लेना फेन उपसमितिके सुझाव बा । महेन्द्रनगर तथा नेपालगन्ज रुटके लाग तत्काल कूटनीतिक पहल आवश्यक रहल फेन प्रतिवेदनमे उल्लेख बा ।

विमान मर्मत, वैदेशिक रोजगारीमे जैना यात्रु तथा पर्यटकीय यात्रुसँग सम्बन्धित सक्कु सेवा सुविधाके एकीकृत रूपमे भैरहवासे सञ्चालन सुनिश्चित करना फेन प्रतिवेदनमे उल्लेख बा । अस्टेक निजी क्षेत्रके बस, ट्याक्सी व्यवसायी, होटेल व्यवसायी, उद्योगी व्यवसायीलगायतके संघ संस्थाहे प्रभावकारी समन्वयमार्फत सेवा सञ्चालनके वातावरण बनैना आवश्यक रहल फेन प्रतिवेदनमे उल्लेख बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय उडान करना वायु सेवा कम्पनीहे पार्किङ, नेभिगेसन, इन्धनलगायतमे छुटके व्यवस्था नैहोके उडान महँगा हुइल उपसमितिके निष्कर्ष बा । सरकारसे नियमित उडान प्रवर्धनके लाग छुटके व्यवस्था करेपरना फेन प्रतिवेदनमे औँल्याइल बा । कम भिजिबिलिटीमे उडान अवतरण करे सेक्ना उपकरण सञ्चालनमे नाने नैसेकल फेन प्रतिवेदनमे उल्लेख बा ।

वैदेशिक रोजगारीमे जैना कामदारके अन्तर्वार्ता तथा छनोट, मेडिकल जाँच, श्रम स्वीकृति तथा भिसासम्बन्धी सक्कु कार्य लुम्बिनी प्रदेशभित्रे हुइना व्यवस्था करे नैसेकल फेन विमानस्थल सञ्चालनमे समस्या रहल उपसमितिके प्रतिवेदनमे उल्लेख बा ।

नेपालमे उडान भरना वायु सेवा कम्पनीसे भैरहवा विमानस्थलमे शाखा विस्तार करना पहल नैकरल, त्रिभुवन विमानस्थलसे अन्तर्राष्ट्रिय उडान करना वायु सेवा कम्पनीसे निश्चित उडान भैरहवासे अनिवार्य करेपरनामे फेन उपसमितिके सुझाव बा ।

विमान मर्मतसम्भारलगायतके सेवा विस्तारमे फेन उपसमिति सुझाव डेले बा । विमानस्थल क्षेत्रभित्तर पर्यटक सेवा केन्द्र तथा पर्यटक सूचना केन्द्रके स्थापन करना फेन उपसमिति सुझाव डेले बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

भेनेजुएलाके आप्रवासीके कानुनी सुरक्षा खारेज करना ट्रम्प प्रशासनके आग्रह

काठमाडौँ, २० वैशाख । ट्रम्प प्रशासनसे बिफके रोज सर्वोच्च अदालतहे तीन लाख ५० हजार भेनेजुएलालीसे अस्थायी कानुनी सुरक्षा हटैना आग्रह करले बा । यिहिनसे उहाँहुक्हे निर्वासनके जोखिममे परे सेक्हि ।

न्याय मन्त्रालयसे उच्च अदालतहे सान फ्रान्सिस्कोके एक संघीय न्यायाधीशके फैसलाहे रोक्न आग्रह करले बा । उ फैसलासे भेनेजुएलाके लाग अस्थायी संरक्षित स्थिति (टिपिएस) कायम करले रहे अन्यथा यी गैल महिना समाप्त हुइना रहे ।

यी स्थितिसे संयुक्त राज्य अमेरिकामे पहिले रहल मनैन्हे कानुनी रूपमे बैठ्ना ओ काम करना अनुमति डेहठ काहेकि ओइनके मूल देश प्राकृतिक प्रकोप वा नागरिक द्वन्द्वके कारण जैना असुरक्षित मानजाइठ । संघीय अपिल अदालतसे यीआघे प्रशासनके अनुरोधहे अस्वीकार करले रहे ।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्पके प्रशासनसे आप्रवासीहे देशमे रहन अनुमति डेना टमान सुरक्षा फिर्ता लेना आक्रामक रूपमे कदम चल्ले बा । यम्ने कुल छ लाख भेनेजुएलाली ओ पाँच लाख हाइटीवासीके लाग टिपिएस समाप्त अन्त्य करना बाट समावेश बा । टिपिएस १८ महिनाके अन्तरालमे प्रदान करजाइठ ।

टेक्सासके एक संघीय न्यायाधीश १८औँ शताब्दीके युद्धकालीन कानुनअन्तर्गत भेनेजुएलालीहे निर्वासित करना प्रशासनके प्रयासहे अवैध ठहर करल दिने उच्च अदालतमे आपत्कालीन अपिल आइल रहे । यी मामिला सम्बन्धित नैहो ।

संरक्षण अप्रिल ७ मे समाप्त हुइना रहे मने अमेरिकी जिल्ला न्यायाधीश एडवर्ड चेन उ योजनामे रोक लगैलैं । उहाँ म्याद ओराइलपाछे लाखौँ मनैन्के जीवनहे गम्भीर रूपमे अवरुद्ध करना खतरा रहे ओ अबौं डलरके आर्थिक गतिविधि गुमे सेक्ना कना पत्ता लगैलैं ।

डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति बाराक ओबामासे नियुक्त न्यायाधीश चेन कार्यक्रमहे जीवित कैके सरकार कौनो हानि देखाइ नैपैलैं । मने प्रशासनके ओरसे महान्यायाधिवक्ता डी जोन सोअर चेनके आदेशसे आप्रवासन ओ विदेशी मामिलामे प्रशासनके शक्तिमे हस्तक्षेप करल बटैलैं ।

यकर अतिरिक्त सोअर न्यायाधीशहे कलैं, "संरक्षित स्थिति अन्त्य कैके प्रभावित व्यक्तिसँग देशमे रहन प्रयास करेक लाग अन्य कानुनी विकल्प हुइ सेकि काहेकि टिपिएस समाप्त करना निर्णय अन्तिम निष्कासन आदेश सरह नैहो ।"

प्राकृतिक प्रकोप वा नागरिक द्वन्द्वसे पीडित देशमे निर्वासन रोकेक लाग कांग्रेस सन् १९९० मे टिपिएसके स्थापना करले रहे ।

संघीय सरकारसे जिडिपीके ५ प्रतिशतसे ढेर आन्तरिक ऋण लेहे नैपैना

काठमाडौँ, २० वैशाख । आगामी आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे संघीय सरकारसे जीडीपीके पाँच ५ प्रतिशत नैबह्ना मेरिक आन्तरिक ऋण लेहेसेक्ना हुइल बा । राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के लाग संघ, प्रदेश ओ स्थानीय सरकारसे लेहेसेक्ना आन्तरिक ऋणके निर्धारण करटि उ सिफारिस करले बा ।

अयोगसे करल सिफारिसमे कहल बा, 'नेपालके समष्टिगत आर्थिक स्थिति, राजस्व ओ खर्चके अनुमान ओ बजार सहजता समेतके विश्लेषण कैके नेपाल सरकार आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के लाग अनुमानित कुल गार्हस्थ्य उत्पादनके पाँच प्रतिशतमे नैबह्ना मेरिक राष्ट्रिय नीति/योजनामे आधारित होके लागत लाभ विश्लेषणसे आन्तरिक प्रतिफल दरवा खुद वर्तमान मूल्य उपयुक्त डेखाइल आयोजना/परियोजना कार्यान्वयनके साथे, राष्ट्रिय गौरवके आयोजना, रुपान्तरणकारी आयोजना ओ मध्यमकालीन खर्च संरचनाअन्तर्गतके पहिल प्राथमिकता प्राप्त आयोजनाके लाग आन्तरिक ऋण उठाइ सेकि ।'

प्रदेश सरकारसे आन्तरिक ऋण परिचालनके संरचनागत ओ प्रक्रियागत प्रवन्ध पूरा हुइल अवस्थामे आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे नेपाल सरकारसे प्राप्त हुइना राजस्व बाँडफाँटके रकम ओ प्रदेश सरकारके अपन आन्तरिक स्रोतसे प्राप्त हुइना राजस्व रकमके योगफलके १२ प्रतिशतमे नैबह्ना मेरिक ओइसिन ऋण लेहेसेक्ना मेरिक सीमा तोकल बा । आयोजना/परियोजना कार्यान्वयनके लाग नेपाल सरकारके स्वीकृतिमे आन्तरिक ऋण उठाइ सेक्नामेरिक आयोग सिफारिस करले बा ।

अस्टेक, स्थानीय सरकारहे फेन ऋणके सीमा तोकल बा । स्थानीय सरकार आन्तरिक ऋण परिचालनके संरचना ओ प्रकृयागत प्रवन्ध पूरा हुइल अवस्थामे आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे नेपाल सरकार ओ प्रदेश सरकारसे प्राप्त हुइना राजश्व बाँडफाँटके रकम ओ स्थानीय सरकारके अपन आन्तरिक स्रोतसे प्राप्त हुइना राजस्व रकमके योगफलके १२ प्रतिशतमे नैबह्ना मेरिक राष्ट्रिय, प्रादेशिक ओ स्थानीय नीति/योजनामे आधारित होके आयोजना/परियोजना कार्यान्वयनके लाग आन्तरिक ऋण उठाइ सेकि ।

प्रेस स्वतन्त्रताके...

प्रेस स्वतन्त्रता कना विषय कौनो एक दिनके किल उपलब्धि नैहोके निरन्तर अभ्यास, संघर्ष ओ सुधारसे प्राप्त परिणाम हो । यकर रक्षाके लाग सब व्यावहारिक तवरसे 'सत्य' के पक्षमे रहल परठ । असत्य, झुट ओ मिथ्यापरक प्रचारके जगजगी हुइटिरहल वर्तमान समयमे सत्य पचैना जमात कुछ कम बा । मिडियासे ओहे सत्य पचैना जमातके सहारामे सबमाझ सत्य बोल्न, लेख्न ओ सार्वजनिक करना विशेष योगदान पुगाइ परल । अइसिन करे सेक्जाइ कलेसे समाजमे मिडियाउप्परके विश्वसनीयता बह्के व्यावहारिक प्रेस स्वतन्त्रता सुनिश्चित हुइ करठ ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

बाहिय संस्कृतिसे मातृभाषा ओ संस्कृति संकटमे

सन्तोष खनाल

घोराही, २० वैशाख । नक्कल कैना प्रवृत्तिसे नेपालमे भाषा संस्कृतिके महत्व घटटी गैल ओ लोप हुइना अवस्थामे पुगल कहटी साहित्यकारहुक्रे चिन्ता व्यक्त करले बटै ।

भाषा संस्कृतिके संरक्षण ओ विकासमे सरकारी तथा गैरसरकारी क्षेत्रसे पहल हुई पर्नामे ओइने जोड डेलै । परिषद्के २५ औं वार्षिक साधारणसभा तथा १५ औं अधिवेशनके अवसरमे पुरस्कार वितरण तथा लुम्बिनी प्रदेश स्तरीय भाषिक तथा सांस्कृतिक संगोष्ठी कार्यक्रममे भाषा ओ संस्कृतिके संरक्षणमे सरोकारवालाके भूमिकाके बारेमे चर्चा करल रहे ।

नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानके सदस्य सचिव डा. धनप्रसाद सुवेदी नेपालके भाषा संस्कृति आयातित संस्कृतिके मारमे परल उल्लेख करटी लोप हुइना अवस्था सिर्जना हुइल बटैलै । मोबाइलमार्फत् बाहेरसे आइल बाटसे मौलिक संस्कृति लोप हुइटी गैल, विकृति भित्रटी गैल बा– उहाँ कहलै 'मातृभाषा केल नाही नेपाली भाषाके भविष्य का कना बेला आइल ।'

भाषा संस्कृति संरक्षणमे विशेष ध्यान डेना बेला आइल बटैटी उहाँ भाषा संस्कृति कला साहित्यके संरक्षण ओ विकास कैना सक्कु जाने मिल्के काम करेपर्नामे जोड डेलै । तीनु तहके सरकारहे अधिकार बाँडफाँडमे भाषा संस्कृतिके संरक्षणमे अहम भूमिका डेहल ओ ओम्नेफे स्थानीय सरकारहे थप अधिकार रहल ओरसे सरकारसेफे यम्ने ध्यान डेहेपर्ना उहाँक कहाई रहे । उहाँ यी क्षेत्रमे राज्यसे लगानी थप करेपर्नामे जोर डेलै ।

राप्ती साहित्य परिषद्के संस्थापक अध्यक्ष नारायणप्रसाद शर्मा नम्मा लडाईसे प्राप्त करल शान्ति परिवर्तनके रक्षाके लाग साहित्यकारसे कलम चलाई पर्नामे जोर डेलै । 'राजनीतिक परिवर्तन हाली हुइलेसेफे सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन विस्तारे हुइठ, यम्ने साहित्यकारके तथा कलमजीवीके भूमिका रहठ– शर्मा कहलै– 'साहित्यकारके लेखनशैली शुभकामना शैली केल हुइल । पहिले परिवर्तनके लाग लरल साहित्यकारके जैसिन जोश अब्बे नैडेखाइल नैटे ढेर परिवर्तन हुसेकट ।'

उहाँ मानवमे मानवता जगैना ओ शान्ति समृद्धिके लागफे साहित्यकारके भूमिका महत्वपूर्ण हुइना बटैटी सक्कु जाने ध्यान डेहे पर्नामे जोर डेलै । सुशासन ओ भ्रष्टाचारसे नेपाल विश्वमे बदनाम हुइना अवस्थामे पुगल कहटी साहित्यकारसे सुधार ल्यन्ना करके कलम चलाई पर्नामे उहाँक जोड रहे ।

उहे अवसरमे लुम्बिनी प्रदेशके भाषिक अवस्थाके बारेमे डा. कृष्णराज सर्वाहारी ओ लुम्बिनी प्रदेशके सांस्कृतिक अवस्थाके बारमे प्राडा. गितु गिरी कार्यपत्र प्रस्तुत करल रहिट । कार्यपत्रउप्पर डा. प्रेम योगी ओ प्राडा शिवकुमार सुवेदी टिप्पणी करलै । कार्यक्रममे नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानके पूर्वपरिषद् सदस्य प्राडा गोविन्द पौडेल, नेपाल पत्रकार महासंघके केन्द्रीय सचिव सविन प्रियासन, साहित्यकार भुपेन्द्र मल्ल, कर्णबहादुर बुढा, प्राडा बाबुराम आचार्य, डा. कपिलमणि लामिछाने, परिषद्के सल्लाहकार उत्तमकृष्ण मजगैयाँ, जिल्ला शाखाके ओरसे रुकुम पश्चिमके अध्यक्ष मनलाल वली, सर्वोदय पुस्तकालय तथा वाचनालयके अध्यक्ष सुशील गौतम, दाङ साहित्य तथा सांस्कृतिक मञ्चके अध्यक्ष डिल्लीराज श्रीधर, परिषद्के सल्लाहकार एवं पुरस्कार छनोट समितिके संयोजक पुरुषोत्तम खनाललगायत परिवर्तनमे साहित्यकारके भूमिका महत्वपूर्ण रहलमे जोड डेलै ।

उहे अवसरमे प्राडा गोविन्द पौडेल अपन बाबा डाईक सम्झनामे ईश्वरी बिना राष्ट्रिय वाङ्मय पुरस्कारके लाग पाँच लाख रुप्या राशीके अक्षयकोष स्थापना कैना चेक हस्तान्तरण करलै ।

राप्ती साहित्य परिषद्के केन्द्रीय अध्यक्ष टीकाराम उदासीके अध्यक्षतामे हुइल परिषद्के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलमणि देवकोटा स्वागत मन्तव्य ओ सहजीकरण महासचिव रमेश सुवेदी करल रहिट ।

२४ ढेर स्रष्टा पुरस्कृत

राप्ती साहित्य परिषद्से २०८१ सालके राप्ती साहित्य पुरस्कार दाङके प्राध्यापक डा. बाबुराम आचार्यहे प्रदान करले बा । २०८० सालमे प्रकाशित १८ थुङगा नामक जीवनी विधाके कृतिके लाग दाङके पद्मप्रसाद शर्महि राप्ती साहित्य सिर्जना पुरस्कार प्रदान करल हो ।

ओस्टेक नन्दहरि साहित्य पुरस्कार दाङके सुरेशकुमार पाण्डेयहे, डोमादेवी साहित्य पुरस्कार दाङके शशिधर भण्डारीहे, दीलसरी दल अतिरिक्त साहित्य पुरस्कार रोल्पाके मोहित श्रेष्ठहे पुरस्कृत करल बा । ओस्टेक करके देवीचन्द्र साहित्य पुरस्कार बाँकेके डा. हरिप्रसाद तिमिल्सिनाहे, अपामुकुन्द प्रज्ञा पुरस्कार प्युठानके नारायण गौतमहे, गोपाल चन्द्र प्रज्ञा पुरस्कार दाङके हरिप्रसाद पाण्डेयहे, हरिप्रसाद मीना पाण्डेय कला साहित्य पुरस्कार दाङके केबी चौधरीहे, खोबिलाल हुकुमादेवी छन्द पुरस्कार दाङके गिरिराज खनालहे प्रदान करल बा ।

ओस्टेक करके दाङके अभि क्षेत्री समर्पणहे पद्मप्रसाद रुपसा प्रज्ञा पुरस्कार, बुटबलके प्रा. डा. कपिल लामिछानेहे तिलका तुलसीराम आचार्य स्मृति पुरस्कार, दाङके कपिलकिशोर घिमिरेहे चक्रपाणि लोकेश्वरी छन्द पुरस्कार, प्युठानके सुमन सुवेदीहे नित्यानन्द प्रज्ञा पुरस्कार, दाङ देउखुरीके यादवनाथ योगीहे चन्द्रमधु गीत संगीत पुरस्कार, रुकुम पश्चिमके भुपेन्द्र मल्लहे ओपेन्द्र रत्नशोभा साहित्य पुरस्कार ओ रोल्पाके अमर अधिकारीहे प्रेमनारायण सावित्रा हेमकुमारी प्रज्ञा पुरस्कार प्रदान करल बा । ओस्टेक करके रुकुमपूर्वके कर्णबहादुर बुढा मगरहे श्रीबहादुर दीलमाया साहित्य पुरस्कार, बाँकेके महानन्द ढकालहे टेकबहादुर सुवर्ण राजभण्डारी साहित्य पुरस्कार, सल्यानके हिरालाल केसीहे जीवनचक्र साहित्य पुरस्कार डेहल बा कलेसे पं. कपिलमुनि भक्तकुमारी शिवादेवी स्मृति स्रष्टा सम्मान सल्यानके बिनु बुढाथोकीहे डेहल बा । ओटेक करके पश्चिम रुकुमके खेमराज खड्काहे ऋषि लक्ष्मी साहित्य पुरस्कार, दाङके दीपा बुढाहे गोमादेवी स्मृति कला पुरस्कार ओ विष्णुनुमे साहित्य पुरस्कार दाङके मनिषा गिरी 'ऋतु'हे डेहल बा ।

ओस्टेक करके दाङ साहित्य तथा संस्कृति प्रतिष्ठान तुलसीपुर, कवि धर्मराज बैरागी देउखुरी, साहित्यकार मधुसूदन गौतम दाङ ओ नारी श्रष्टा बसन्ता शाह हापुरहे सम्मान करल बा । राप्ती साहित्य परिषद्के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं छनोट समिति सदस्य कमलमणि देवकोटा पुरस्कृत स्रष्टाके प्रतिभा परिचय डेहल रहिट परिषद्के पुरस्कार प्रतिभा छनोट समितिके संयोजकमे पुरुषोत्तम खनाल रहिट ।

भन्सार छलिके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० वैशाख । कैलाली जिल्लाके टमान ठाउँसे अवैध भन्सार छलिके सामान नियन्णमे लेहल बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिका–३, मिलन चोक, टीकापुर न.पा.९ पुराना भन्सारसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु.९० हजारके कुर्ती, दोपट्टा, सुटपिस, साडी, चप्पल, मिठाई, चक्लेट लगायतके सामान जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली तथा मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी गस्ती टोली बेबारिसे अवस्थामे फेला पारके नियन्त्रणमे लेहल हो ।

फरार एक प्रतिवादी पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० वैशाख । फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत कैलालीके फैसलासे कैद तोक्के फरार रहल एक जाने पक्राउ परल बटै ।

चोरी मुद्दामे ४ महिना २९ दिन कैद सजाय तोकल धनगढी उपमहानगरपालिका ८ धनगढी गाँउ बैठना बर्ष २९ के करन रानाहे जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरी टोली उहाँक घर ठेगानासे पक्राउ करल हो ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गौ रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१–५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

साइबर सुरक्षाबारे सचेत रहौं

- अपरिचित इमेल, सन्देश र लिङ्कहरु नखोलौं,
- संवेदनशील जानकारी (पासवर्ड, बैंक विवरण) सुरक्षित राखौं,
- अनधिकृत सफ्टवेयर डाउनलोड नगरौं,
- फर्जी वा अनलाइन लगानी (क्रिप्टोकरेन्सी) जस्ता साइटहरूबाट हुनसक्ने ठगीबाट जोगिऔं,
- सामाजिक सञ्जालमा आफ्नो ठेगाना, फोन नम्बर र वित्तीय विवरण नराखौं,
- आफ्नो पासवर्डलाई बलियो राखौं र नियमित रूपमा परिवर्तन गरौं,
- वाई-फाई नेटवर्कको पासवर्ड सुरक्षित राखौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धड्कन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धड्कन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९